संपादक के नोट

मैं, हमारे प्रभु और उद्धारकरता येशु मसीह के नाम से आप सबका अभिवादन करती हूँ।

यह समय है हमारे हाथों को उठाकर परमेश्वर की स्तुति करने की उन सारी आशिषों के लिए जो उसने हमे दिया है। हमने, रोस ऑफ़ शारोन में, भरपूर फ़सल प्राप्त किया है और हमारे प्रभु ने हमे क्षमता भी दी है कि हम इसे बाँट सके अपने भाइयों और बहनों के साथ जो दूसरे राज्यों में हैं। यह मेरी प्रार्थना है कि मेरे सारे पाठकों को भी उनके जीवनं में भरपूर फ़सल मिलेगा।

पवित्र–शास्त्र २ कुरिन्थियो ५रू७ में कहता है – क्योंकि हम रूप देख कर नहीं, पर विश्वास से चलते हैं। कुछ लोग हैं जो अपने शारिरिक दृष्टि से चलते हैं। उसी समय कुछ लोग हैं जो विश्वास में उनकी आतमिक दृष्टि से चलते हैं।

हमारी शारिरिक दृष्टि थोड़ी दूरी तक देख सकती है। लेकिन आतमिक दृष्टि भविष्य और स्वर्गीय राज्य देखती हैं। आतमिक दृष्टि केवल भविष्य ही नहीं लेकिन हमारे विश्वास के रचईकार को भी देखती हैं। यह ज़रूरी है कि परमेश्वर पर निर्भर रहने के लिए विश्वास रखना है। ताकि जब हवाएँ और तूफ़ान आए, तुम चिंतित न होओगे, परमेश्वर तुम्हे विश्वास का वरदान और आत्मा का फल देगा। गलातियों ५रू२२ कहता है – परन्तु पवित्र आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दयालुता, भलाई, विश्वस्तता।

हव्वा अपनी शारिरिक दृष्टि से चली, उसने अच्छे और बुरे का फल देखा। वह देखने में अच्छा और खाने में स्वादिष्ट था। वह परमेश्वर के क्रोध को देख नहीं पाई, श्राप और मृत्यु जो उस कारण आ सकता है। इसलिए दृष्टि से न चलो लेकिन विश्वास से चलो।

जब अब्राहाम और लूत कनान की ओर जा रहे थे दोनो ने अलग दृष्टि से देखी। लूत शारिरिक दृष्टि से चला, जब की अब्राहाम विश्वास में चला। दोनो सदोम की ओर देखे। लूत ने अपनी शारिरिक दृष्टि से देखा और देखा कि वह एक बहुत ही उपजाऊ भूमी थी। यह पशुओं के चरने के लिए अच्छी भूमी थी। इसलिए लूत ने वह भूमी चुना। लूत सदोम के भविष्य के न्याय को देख नहीं पाया क्योंकि उसने उसकी शारिरिक दृष्टि से देखी।

लेकिन अब्राहाम ने विश्वास में देखा। विश्वास में अब्राहाम ने आज्ञा माना जब वह उस स्थान पर बुलाया गया जो उसे बाद में उत्तराधिकार में प्राप्त होनेवाला था। और वह निकल पड़ा यह जाने बगैर कि वह कहाँ जा रहा था। इब्रानियों ११रू८–९ कहता है – विश्वास ही से अब्राहाम जब बुलाया गया तो आज्ञा मानकर ऐसे स्थान पर चला गया जो उसे उत्तराधिकार में मिलने वाला था। वह नहीं जानता था कि मैं कहां जा रहा हूं, फिर भी चला गया। विश्वास ही से वह प्रतिज्ञा के देश में परदेशी होकर रहा, अर्थात परदेश में इसहाक और याकूब के साथ जो उसी के समान प्रतिज्ञा के उत्तराधिकारी थे, तम्बुओं में रहा।

प्रियों, हमेशा अपना विश्वास परमेश्वर पर रखो। यशायाह २८रू१ कहता है – इसलिए प्रभु यहोवा यों कहता है, देखो, मैं सिय्योन में एक पत्थर, एक परखा हुआ पत्थर, दृढ़ता से रखने पर हूं; जो कोई उस पर विश्वास करेगा वह न डगमाएगा।

विश्वासु नहेमायाह ने जल्दबाज़ी में कोई काम नहीं किया। उसने कहा कि क्या मेरे जैसा मनुष्य भाग जाए? नहेमायाह ६रू११ कहता है – परन्तु मैंने कहा, "क्या मुझ जैसा मनुष्य भागे? और क्या ऐसा मनुष्य अपना प्राण बचाने को मंदिर में घुसे? मैं भीतर नहीं जाऊंगा।"

अगर हम विश्वास में और हमारे हृदयों में धाड़स बाँधकर चलें तो प्रभु तुम्हारे लिए लड़ेगा और तुम्हारे शत्रु भाग जाएंगे। जो विश्वास में ठहरते हैं उस स्थान पर जहाँ परमेश्वर ने उन्हे बोया है और तूफ़ानों का सामना करते हैं, वें आशिषित लोग हैं। पवित्र–शास्त्र इब्रानियों ११:१२ में कहता है – इसी कारण एक ही मनुष्य से, जो मृतप्राय था, आकाश के तारों और सागर–तट की बालू के समान असंख्य सन्तान उत्पन्न हुई।

विश्वासियों को गिराने में दुष्ट जो हत्यारों को इस्तेमाल करता है उसमें से एक है पैसा। इसलिए काफ़ी विश्वासी लोग ऐश्वर्यवान बनने के लिए झट–पट मार्ग खोजते हैं। इस कारण बहुत लोग जल्द–बाज़ी का काम करते हैं। १ तीमुथियुस ६रू१० कहता है, – क्योंकि धन का लोभ सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है। कुछ लोगों ने इसकी लालसा में विश्वास से भटक कर अपने आप को अनेक दुखों से छलनी बना डाला है।

विश्वासु के विरुद्ध दुष्ट का एक और हत्यार है जलन। जलन एक विश्वासु के विश्वास को नाश करता है। जलन पहले खुद को नाश करता है और फिर दूसरों को नाश करता है। अगर तुम्हारे पास निपुणता है, जिनके पास वही निपुणता नहीं, वें तुम पर जलेंगे।

ज्ञानी सुलैमान कहता है, सभोपदेशक ४:४ – फिर मैंने देखा कि प्रत्येक परिश्रम और प्रत्येक निपुणता का कार्य जो किया जाता है, वह व्यक्ति का अपने पड़ोसी से प्रतिस्पर्धा के कारण किया जाता है। यह भी व्यर्थ तथा वायु पकड़ने का प्रयास है।

परमेश्वर के चुने हुए लोग, इस्राएली लोग मूसा और हारून से जलते थे। भजन संहिता का रचइकार भजन संहिता १०६:१६–१८ में कहता है – जब उन्होंने छावनी में मूसा से और यहोवा के पवित्र जन हारून से डाह की, तो भूमि ने फट कर दातान को निगल लिया, और अबीराम के झुण्ड को ग्रस लिया। और उनके झुण्ड में आग भड़क उठी; अग्नि–ज्वाला ने दुष्टों को भस्म कर दिया।

प्रभु के प्रियों, अगर तुम्हारे दुश्मन तुम से जलते हैं, दुखी न होना।

क्या उन्होने येशु को क्रूस पर जलन के कारण नहीं ड़ाला? इब्रानियो १२रू३ – इसलिए उस पर ध्यान करो जिसने पापियों का अपने विरोध में इतना विद्रोह सह लिया कि तुम थक कर निरूत्साहित न हो जाओ।

इसलिए मेरे प्रिय पाठकों, अबसे अपनी आतमिक दृष्टि से देखो और विश्वास में चलो और तुम्हारी आतमिक फ़सल को पाओ।

परमेश्वर तुम्हे आशीष दें!

पास्टर सरोजा म.

हर चीज़ में परमेश्वर को धन्यवाद दो

व्यवस्थाविवरण ८रू७ – क्योंकि तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे एक उत्तम देश अर्थात तराइयों तथा पहाड़ियों में से बहते हुए जल–धाराओं, सोतों तथा झरनों के देश में लिए जाता है। इस संसार में नदियाँ सूख सकती हैं। हमारे पास जो भी वस्तु हैं सब मिट सकता है। लेकिन केवल परमेश्वर का आशिष अनंतकालिक है। नबी एलिय्याह परमेश्वर के वचन के अनुसार जाकर करीत नदी में छिप गया। उस देश में आकाल आने के कारण नदी सूख गई। १ राजा १७रू७ – और ऐसा हुआ कि उस देश में वर्षा न होने के कारण कुछ दिनों के बाद नाला सूख गया। परमेश्वर हमे पहाड़ियों और पर्वतों से पानी देता है और यह पानी झरनों में बहती है और फिर वहाँ से तालबों में। तालबों में पानी इकट्ठा होकर फिर नदियों में बहती हैं। इसलिए हमे ध्यान रखना हैं कि इस संसार का ऐश्वर्य मिट सकता हैं लेकिन हमारे प्रभु ने जो हमे दिया है वह कभी सूखती नहीं न मिटती हैं। निर्गमन में हम देखते हैं, परमेश्वर ने इस्राएलियों को एक फलदार देश का वादा किया। एक देश जिस में दूध और मधु बहती है। हमारा परमेश्वर हमसे बहुत प्यार करता है। वह हमारे बारे में हमसे ज़्यादा सोचता है। हमारे जीवनों में, कोई उसके आशिषों को नहीं सीमित कर सकता है। हमारे पास जो कुछ है वह परमेश्वर का अनुग्रह और भेंट है हमारे जीवन में। इसलिए, हमें कभी भी हमारा धन्यवाद परमेश्वर को देने से नहीं रोकना चाहिए, हर क्षण एक आशीष है और इसलिए हमे उसकी स्तुति और धनयवाद निरंतर करना चाहिए। १ थिस्सलुनीकियों ५रू१८ – प्रत्येक परिस्थिति में धन्यवाद दो, क्योंकि मसीह येशु में तुम्हारे लिए परमेश्वर की यही इच्छा है। फिलिप्पियो ४रू६–७ – किसी भी बात की चिन्ता न करो, परन्तु प्रत्येक बात में प्रार्थना और निवेदन के द्वारा तुम्हारी विनंती धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख प्रस्तुत की जाए। तब परमेश्वर की शांति, जो समझ से परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह येशु में सुरक्षित रखेगी। हमारी हर माँग हमे विश्वास से परमेश्वर के हाथ में देना हैं यह भरोसा और विश्वास करते हुए कि वह हमारी हर माँग का उत्तर देगा। हमारा परमेश्वर एक न हारने वाला परमेश्वर है। हम अब्राहाम के जीवन में देखते हैं, उसने सारा से शादी की। हाजिरा एक नौकरानी थी अब्राहाम के घराने में। हाजिरा भी उसके जीवन में आई जब सारा ने अब्राहाम से कहा की वह उसे अपनी पत्नी जैसे ले और उससे एक बच्चा उतपन्न करे। लेकिन कई वर्षों के बाद, जब सारा का खुद का बच्चा हुआ, जलन के कारण उसने अब्राहाम से कहा कि वह हाजिरा को उनसे दूर भेज दें। अब्राहाम, एक एश्वर्यमान मनुष्य, हाजिरा को यात्रा के लिए थोड़ी रोटी और पानी देकर उसे घर छोड़कर जाने के लिए कहता है। हाजिरा रेगिस्थान में उसकी यात्रा शुरू करती है और जल्द ही पानी खतम हुआ। हाजिरा और उसके बेटे ने सब कुछ समाप्त किया और यात्रा

बड़ी लंबी थी। लेकिन हमारे प्रभु ने हाजिरा का ध्यान रखा और उस जंगल में भी उसे पानी का सोता बताया ताकि वह उसके प्यास को बुझा सके। हमे याद रखना हैं कि पानी जो मनुष्य देता है किसी के भी प्यास को लंबे समय तक मिटा नहीं सकता वह जल्दी सूख सकता है। लेकिन हमारे प्रभु ने दिया हुआ पानी कभी नहीं सूखता। इसलिए, हमे हमारा विश्वास कभी मनुष्य पर नहीं रखना चाहिए, लेकिन केवल परमेश्वर पर रखना हैं। हम फिर देखते है व्यवस्थाविवरण ८रू७ – क्योंकि तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे एक उत्तम देश अर्थात तराइयों तथा पहाड़ियों में से बहते हुए जल–धाराओं, सोतों तथा झरनों के देश में लिए जाता है। हमारा लक्ष्य केवल प्रभु परमेश्वर पर हो। सच्च में हमारा परमेश्वर एक महान परमेश्वर है, उसने एक अद्भुत देश उसके चुने हुए बच्चों के लिए बनाया है। परमेश्वर हमे पहाड़ियों से पानी देता है, धरती के सोते, झरने और तालाबें जो पानी से भरा हैं, जो कभी नहीं सूखेगा। यह हमारे लिए "आशीष का तालाब" बनता है। हमे याद रखना हैं, जब हम खुश हैं, संसार हमारे साथ है, लेकिन हमारे दुख के समय में हमे अपने–आप को देखना होता है। उस समय, यह हमारा प्रभु है जो हमे उठाएगा और हमे याद रखना हैं, हम कभी अकेले नहीं हैं। अब्राहाम एक अमीर आदमी, हाजिरा को पानी दे सका जो केवल कुछ समय के लिए टिक पाया, लेकिन हमारा परमेश्वर जिसने उसे जीवित पानी का सोता दिखाया और यह सोता कभी नहीं सूखता है। भजन संहिता ३६रू८–९ – तेरे भवन की भरपूरी से वे तृप्त होते हैं, और तू उन्हें अपने आनन्द की नदी में से पिलाता है। क्योंकि जीवन का सोता तो तेरे ही पास है; तेरे ही प्रकाश से हमें प्रकाश मिलता है। हम जीवित परमेश्वर के बच्चें हैं, हम इस संसार में किसी भी चीज़ की घटी नहीं महसूस करेंगे, अगर केवल हम विश्वास करेंगे और भरोसा करेंगे हमारे परमेश्वर पर। जैसे कि पवित्र–शास्त्र में लिखा है, यशायाह ५८रू११ – तब यहोवा निरन्तर तेरी अगुवाई करेगा और उजाड़ स्थानों में तुझे तृप्त करेगा और तेरी हड्डियों को बल प्रदान करेगा; और तू सींची हुई वाटिका और ऐसे सोते के समान हो जाएगा जिसका जल कभी नहीं सूखता। प्रभु निरंतर हमारा मार्ग–दर्शन करेगा उसके बुद्धि और ज्ञान से। हमे कभी प्यास नहीं लगेगा, क्योंकि उसका जीवित जल कभी नहीं सूखता है। पवित्र–शास्त्र में हम रिबका के बारे में देखते है। जब अब्राहाम बूढ़ा हो गया और सारा की मृत्यु हो चुकी थी, उसने उसके सब से पुराने नौकर से कहा कि वह उसके बेटे इसहाक के लिए दुल्हिन ढूँड़े। इसलिए दुल्हिन को ढूँड़ना शुरू हुआ, जब वह रिबका से पहली बार पानी के कूँवे के पास मिला, उसने उसे पानी पिलाया और उसके ऊँठों को भी पानी पिलाया जो उसके संग थे। इस तरह रिबकाने प्यासे राहगिरों का प्यास बुझाया उन्हे जाने बगैर और उसने उनके आँखों में अनुग्रह पाया और वह इसहाक के लिए दुल्हिन चुनी गई। परमेश्वर के बच्चों के जैसे, हम प्यासों और भूकों की प्यास और भूक मिटाने के लिए चुने गए हैं। यह "वचन" बाँटकर किया जा सकता है। बहुत से लोगों को "सच्चा वचन" नहीं मिलता क्योंकि उनके पास आराधना का स्थान नहीं

है और वें किसी सेवा का भाग नहीं हैं। इसलिए वें भूके और प्यासे रह जाते हैं। यह केवल परमेश्वर का अनुग्रह है कि हमारी सेवा सच्चाई में हैं जिसे परमेश्वर ने हमारे लिए बनाया है। हमे नियंत्रित रीति से आत्मिक मन्ना खिलाया जाता है, इसलिए हमे, बदले में इस वचन को दूसरों के साथ बाँटना चाहिए जैसे रिबका ने पानी राहगिरों में बाँटा जो प्यासे थे। प्रकाशितवाक्य २२रू१७ कहता है – आत्मा और दुल्हिन दोनों कहती हैं, "आ! और सुनने वाला भी कहे, आ!" जो प्यासा हो, वह आए! जो चाहता है, वह जीवन का जल बिना मूल्य ले। निश्चित रूप से वचन आसानी से मिलना चाहिए, इसलिए हमे उसे मुफ़्त में उन लोगों में बाँटना चाहिए जिन्हे वचन की ज़रूरत हो। यशायाह ५५रू१ कहता है – "हे सब प्यासे लोगो, पानी के पास आओ! और जिनके पास रूपया न हो, तुम भी आकर मोल लो और खाओ! दाखमधु और दूध बिना रूपया और बिना दाम लो। परमेश्वर हमारा स्वागत करता है बहुतायत जीवन की ओर जो उसने हमारे लिए रखा है। वह आसानी/मुफ़्त में हमे "जीवित जल" देता है। येशु यूहन्ना ४:१४ में कहता है – परन्तु जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूंगा, अनन्तकाल तक प्यासा न होगा, परन्तु वह जल जो मैं उसे दूंगा उसमें अनन्त जीवन के लिए उमण्डने वाला जल का सोता बन जाएगा।" इस संसार की नदियाँ सूख जाएंगी। हाजिरा को अमीर अब्राहाम ने दिया पानी भी कुछ समय में समाप्त हुआ। परमेश्वर का वादा हमारे लिए यह है कि जो पानी वह हमे देता है, हमे कभी प्यास नहीं लगेगा और हम में वह एक पानी का सोता बनेगा जो अनंतकालिक जीवन में उछलेगा। कितना अद्‌भुत वचन परमेश्वर ने हमे दिया है। हमारा प्रभु येशु मसीह हमारे कारण बली दिया गया, हमारे लिए पिता और क्या कमी कर सकता है, उसने हमे उसका एक लौता पुत्र दिया। यह परमेश्वर का महान प्यार हम में से हर एक के लिए है। हम दूसरे भाग में पवित्र–शास्त्र में देखते हैं, एक मनुष्य दुर्बलता में बैतहसदा कुँड़ के बाजू में ३८ वर्षीं से पड़ा रहा किसी के इतज़ार में कि कोई उसे कुँड़ में पहले उतराए जब स्वर्गदूत उस पानी को हिलागा। वह गरीब मनुष्य है, उसका कोई रिश्तेदार या दोस्त नहीं उसका मदद करने के लिए। लेकिन हमारा येशु मसीह, जो बीमारों को चंगा करने के लिए आया और पापियों को बचाने के लिए आया, वह इस मनुष्य को नहीं भूला। येशु उस जगह में एक पर्व में आए थे। उसने देखा अमीरों को, बड़ी बकरियों को बलिदान के लिए लाते हुए और मध्यम श्रेत्र के लोगों को छोटी बकरियों को बलिदान के लिए लाते हुए लेकिन गरीब, उसने देखा कि वे बकरी खरीद न पाए बलिदान के लिए और उनके पाप कभी न धुल सकते थे। येशु ने यह देखा और गरीब और बीमार लोगों पर उसे दया आई और उस बीमार मनुष्य उस कुँड़ के पास ३८ वर्षीं से पड़ा हुआ देखा। उसने उस आदमी को उसके वचन से चंगा किया। ओह! कितना अद्‌भुत और दयालु है हमारा परमेश्वर, अगर हम केवल विश्वास करें, वह हमेशा हमारे पापों को और बिमारियाँ को चंगा करने के लिए हमेशा तैयार

है। भजन संहिता ११४रू८ – जिसने चट्टान को जल का ताल, और चकमक पत्थर को जल का सोता बना दिया। हमारा परमेश्वर जो चट्टान को जल का ताल और पत्थर को जल का सोता बनाता है, क्यों हम अपना विश्वास मनुष्यों में ड़ाले जो सोचते हैं कि वें महान सहायक हैं। लेकिन वें भूल चुके हैं कि जो भी घमंड़ का कारण उनके अंदर है वह परमेश्वर द्वारा दिया गया है। परमेश्वर हमारा सबसे महान देनहारा है, किसी भी मनुष्य से बढ़कर। अमीर मध्य–पुरबी देशों में हम देखतें हैं कि उनकी आमदनी तेल से आता है। उनका सारा ऐश्वर्य तेल पर निर्भर है जो उनके देशों में बहुतायत रीति से उपलब्द है। पवित्र–शास्त्र में हम दो उदाहरणों को देखते हैं – नबी एलीशा विधवा का मदद करता है और उसके पती के मृत्यु के बाद कर्ज़दारों ने उस परिवार को परेशान करने लगे और यह कि वें पुत्रों को ग़ुलाम बनाने के लिए ले जाने आए अगर उन्होंने अपना कर्ज़ नहीं चुकाया। एलीशा ने औरत से पूछा कि उसके घर में क्या था, उसने उत्तर दिया कि एक कुप्पी तेल हैं। नबी उसे कहता है कि वह सारे खाली बर्तनों को उसके अड़ोस–पड़ोस से लाए। वह उस स्त्री से सारे बर्तनों को तेल से भरने के लिए कहता है। वह फिर उसे तेल बेचकर कर्ज़ चुकाने के लिए कहता है। इस प्रकार, हम देखते हैं कि इस परिवार में कैसे तेल के द्वारा आशीष आया। दूसरा, हम देखते हैं सारपत विधवा को। जब नबी एलिय्याह ने शहर में प्रवेश किया प्रभु ने उसे जाने कि आज्ञा दी फाटकों पर जाने की जहाँ उसे वह विधवा मिलती है और वह उससे पीने के लिए पानी माँगता है और रोटी माँगता है क्योंकि वह भूखा था। उस विधवा ने उत्तर दिया, "मेरे पास कोई रोटी नहीं लेकिन एक मुट्ठी भर आटा है और थोड़ा सा तेल है। मैं मेरे बेटे और मेरे लिए भोजन तैयार कर रही थी, ताकि हम इसे खाकर मर जाएं।" लेकिन एलिय्याह, उससे कहता है भोजन तैयार करने के लिए और उसे पहले परोसने के लिए। विधवा ने बिलकुल वैसा ही किया, परमेश्वर का अनुग्रह उस परिवार पर इतना सामर्थवान था कि वह आटा का ड़िब्बा और तेल की कुप्पी कभी न खत्म हुआ। इतना महान था आशीष परमेश्वर का इस परिवार पर। उतपत्ति के किताब में, हम एक भाग म ेंदेखते है कि इसहाक एक कूँवा को खोदता है और दुश्मन आकर उस कूँवे को बंद करते हैं। हम देखते हैं कि कई बार वही बात होती हैं, लेकिन इसहाक ने हिम्मत नहीं हारा। उत्पत्ति २६रू५–3 – क्योंकि अब्राहाम ने मेरी बात मानी और जो दायित्व मैंने उसे सौंपा था उसे पूरा किया तथा मेरी विधियों, आज्ञाओं और व्यवस्था का पालन किया। अतः इसहाक गरार में रहने लगा। जब उस स्थान के लोगों ने उसकी पत्नी के विषय में पूछा, तो उसने कहा, "यह मेरी बहन है। उसने यह सोचकर ऐसा कहा, क्योंकि उसे भय था कि यदि मैं उसे अपनी पत्नी कहूंगा तो ये लोग रिबका के कारण मुझे मार डालेंगे क्योंकि वह सुन्दर है। जब उसका वहां रहते हुए बहुत दिन बीत गए तो ऐसा हुआ कि पलिश्तियों के राजा अबीमेलेक ने खिड़की से झांका तो देखा कि इसहाक अपनी पत्नी रिबका के साथ प्रेमालप कर रहा है। तब अबीमेलेक ने इसहाक को बुलाकर कहा,

"देख, वह तो निश्चय ही तेरी पत्नी है! फिर तू ने ऐसा क्यों कहा, वह मेरी बहन है?" इसहाक ने उसे उत्तर दिया, मैंने तो ऐसा सोचा क कहीं मैं उसके कारण मार डाला न जाऊं। अबीमेलेक ने कहा, "तू ने हमारे साथ ऐसा क्यों किया? सम्भव था कि प्रजा में से किसी ने तेरी पत्नी के साथ सहवास कर लिया होता, और तू हम को पाप में फंसाता।" इसलिए अबीमेलेक ने यह कहकर सब लोगों को चेतावनी दी, यदि कोई इस मनुष्य या इसकी पत्नी को छूएगा तो वह निश्चय ही मार डाला जाएगा। इस प्रकार इसहाक ने उस देश की भूमि में बोआई की और उसी वर्ष उसने सौ गुणा फसल काटी। और यहोवा ने उसको आशिष दी, और वह धनी हो गया और निरन्तर धनी होता गया यहां तक कि वह अति सम्पन्न हो गया; क्योंकि उसके पास भेड़–बकरी, गाय–बैल और बहुत से दास–दासियां हो गए थे, इसलिए पलिश्ती उस से ई`ष्या करने लगे। तब पलिश्तियों ने वे सब कूएं जो उसके पिता अब्राहाम के दासों ने अब्राहाम के समय में खोदे थे, मिट्टी से भर दिए। तब अबीमेलेक ने इसहाक से कहा, हमारे पास से चला जा, क्योंकि तू हमसे अधिक सामर्थी हो गया है। इसलिए इसहाक वहां से चला गया और गरार की घाटी में डेरा डालकर वहीं रहने लगा। तब इसहाक ने पानी के उन कूओं को फिर से खुदवाया जो उसके पिता अब्राहाम के दिनों में खोदे गए थे और जिन्हें पलिश्तियों ने अब्राहाम की मृत्यु के बाद भरवा दिया था, और उसने उनके फिर वही नाम रखे जो उसके पिता ने रखे थे परन्तु जब इसहाक के दासों ने घाटी में खुदाई की तो उन्हें बहते जल का एक सोता मिला। तब गरार के चरवाहे इसहाक के चरवाहों सेयह कहकर झगड़ने लगे, "यह पानी हमारा है!" इसलिए उसने उस कूएं का नाम एसेक रखा, क्योंकि उन्होंने उस से झगड़ा किया। तब उन्होंने दूसरा कूआं खोदा और उसके लिए भी उन्होंने झगड़ा किया, इसलिए उसने उसका नाम सित्ना रखा। वह वहां से दूर चला आया और उसने एक और कूआं खोदा। उन्होंने उस पर झगड़ा नहीं किया; इसीलिए उसने उसका नाम रहोबोत रखा, क्योंकि उसने कहा, "अन्ततः यहोवा ने हमें बहुत स्थान प्रदान किया, और हम इस देश में फूले–फलेंगे। तब वह वहां से बेर्शेबा को गया। उसी रात यहोवा ने उसे दर्शन देकर कहा, मैं तेरे पिता अब्राहाम का परमेश्वर हूं। मत डर, क्योंकि मैं तेरे साथ हूं। मैं अपने दास अब्राहाम के कारण तुझे आशिष दूंगा, और तेरे वंश को बहुत बढ़ाऊंगा। तब उसने वहां एक वेदी बनाई, और यहोवा से प्रार्थना की, तथा अपना तम्बू वहीं खड़ा किया, और इसहाक के दासों ने वहां एक कूआं खोदा। तब अबीमेलेक अपने सलाहकार अहुज्जत और अपने सेनापति पीकोल के साथ गरार से उसके पास आया। इसहाक ने उनसे कहा, "तुम तो मुझ से बैर करते हो, और तुमने अपने बीच से मुझे निकाल दिया था। अब मेरे पास क्यों आए हो? उन्होंने कहा, हमने स्पष्ट देखा है कि यहोवा तेरे साथ है, इसलिए हमने सोचा, क्यों न हमारे मध्य, हां, तेरे और हमारे बीच यह शपथ ली जाए, तथा हम तेरे साथ यह वाचा बांधे, कि जिस प्रकार हमने तुझे नहीं छुआ वरन भलाई को छोड़ और कुछ न किया तथा तुझे शांति से विदा किया, जिस से अब यहोवा का अनुग्रह तुझ पर है, उसी प्रकार तू

भी हमें कोई हानि न पहुंचाए?" तब उसने उन्हें भोज दिया और उन्होंने खाया–पिया। प्रात :काल तड़के उठकर उन्होंने आपस में शपथ ली, तब इसहाक ने उन्हें विदा किया और वे शान्तिपूर्वक चले गए। उसी दिन ऐसा हुआ कि इसहाक के दासों ने उसके पास आकर उस कुएं के विषय में बताया जो उन्होंने खोदा था, और उस से कहा, "हमें पानी मिला है। शत्रु ने बहुत सी रूकावटें लाई, फिर भी, यह केवल परमेश्वर था जिसने इसहाक को विजय दिलाया हर बार जब उन्होंने कूँवे को खोदा। भजन संहिता १३६ एक भजन संहिता है "धन्यवादों का परमेश्वर कि करूणा की"। इस्राएली लोग आनंदित थे कि प्रभु ने उन्हे एक फलवंत देश दिया, जैसे उसने वादा किया, इस कारण वें परमेश्वर की स्तुति करने लगे उनके स्तुति–गीतों से। गिनती २१रू१७–१८ – तब इस्राएलियों ने यह गीत गाया, हे कुएं, फूट पड़! इसके लिए गाओ! जिसे हाकिमों ने खोदा, और इस्राएल के रईसों ने अपने राजदण्ड और लाठियों से खोदा।" फिर वे जंगल से मत्ताना। हमने उदाहरणों में देखा उन विधवाओं को जिन्हे नबियों द्वारा तेल और आटा की आशीष मिली। भजन संहिता १४६रू९ – यहोवा परदेशियों की रक्षा करता है, वह अनाथ और विधवा का सहारा है, परन्तु दुष्ट के मार्ग में विघ्न डालता है। हमे कल के अनजान समयों के बारे में भयभीत नहीं होना चाहिए, अगर हमारा विश्वास और भरोसा परमेश्वर पर है, वह निश्चित रूप से हमारा ध्यान रखेगा। वह हम पर हम जितना ध्यान करते हैं उससे ज़्यादा ध्यान करेगा। वह हमरा देनहारा है और हमारा यहोवा–यिरे है। जैसे हमने अब तक जाना कि कैसे इस संसार की नदियाँ सूख जाएंगी, लेकिन परमेश्वर हमारा जीवित जल है, केवल वह हमारे प्यास को हमेशा के लिए मिटासकता है उन जल के सोतों से जो वह हमे देगा अगर वह हमारे भीतर रहता है। व्यवस्थाविवरण २८रू५ – धन्य हो तेरी टोकरी और तेरी कठौती। जैसे सारपत के विधवा के जैसे हमारे घरों में रोटी और तेल की कमी कभी न होगी। निर्गमन २३रू२५ – परन्तु तुम अपने परमेश्वर यहोवा की उपासना करना, और वह तुम्हारे अन्न–जल पर आशिष देगा, और मैं तुम्हारे बीच से रोग दूर करूंगा। हमारा विश्वास, हमारी आशा, हमारा प्यार हमेशा परमेश्वर की स्तुति करने में होना चाहिए केवल वही है जो इसके योग्य है। हम "आटा और तेल" और "परमेश्वर और उसके अभीषेक" की सामान्यताएँ देखते हैं। जब गेहूँ के दाने पिसे जाते हैं हमे आटा मिलता है, इसी प्रकार येशु हमारे पापों के कारण कलवरी के क्रूस पर घायल हुआ और उसने सारी वेधनाएँ हमारे लिए झेले, वह पूरी तरह से कुछला गया और इस प्रकार उसने उसका प्राण हमारे लिए दिया। तीसरे दिन, वह फिर जीवित हुआ और हमारे शत्रुओं के सामने मेज को बिछाया। पिन्तेकुस्त के दिन हम उसके सामर्थी आत्मा को देखते हैं। सभा को विभिन्न रूपों में अभिषेक करते हुए। येशु ने यह सब किया क्योंकि वह हमसे प्यार करता है, परमेश्वर के प्यार से बढ़कर कोई प्यार नहीं हो सकता है। व्यवस्थाविवरण २८रू५ – धन्य हो तेरी टोकरी और तेरी कठौती।

परमेश्वर ने हमे ऐश्वर्यमान बनाया ताकि हम आशिषित हो। उसने हमारे लिए वेधना सहा और उसका जीवन हमारे लिए कुछला गया ताकि हम विजय और आनंककालिक जीवन पा सके। २ कुरिन्थियों ४रू७ – परन्तु हम मिट्टी के पात्रों में, यह धन इसलिए रखा हुआ है कि सामर्थ की असीम महानता हमारी ओर से नहीं वरन परमेश्वर की ओर से ठहरे। पिन्तेकुस्त के दिन, उसका अभिषेक उस पुरे सभा पर आई और उन सब पर जिन्होंने उसके पुन्नरूतान पर विश्वास किया केवल उसके अनुग्रह के द्वारा, हमारे पास "जीवित जल" है। यूहन्ना ४रू१० – येशु ने उत्तर देते हुए उस से कहा, "यदि तू परमेश्वर के वरदान को जानती और यह भी कि वह कौन जो तुझ से कहता है, "मुझे पानी पिला," तो तू उस से मांगती, और वह तुझे जीवन का जल देता। वह करूणाओं का पिता हैं" जो हमे आनंतकालिक जीवन देता है, यूहन्ना ४:१४ कहता है – परन्तु जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूंगा, अनन्तकाल तक प्यासा न होगा, परन्तु वह जल जो मैं उसे दूंगा उसमें अनन्त जीवन के लिए उमण्डने वाला जल का सोता बन जाएगा। परमेश्वर का अनुग्रह हमपर बहुतायत है। हमने कुछ भी अपनी महानता या अच्छाई से नहीं पाया। लेकिन केवल परमेश्वर के दिव्य अनुग्रह द्वारा, हम आशिषित हुए हैं। इफिसियों २:८ – क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है – और यह तुम्हारी ओर से नहीं वरन परमेश्वर का दान है। केवल उसके अनुग्रह के कारण हमे वचन, पवित्र–आत्मा, आत्मा का वरदान और फल उसके आशिषों का प्राप्त हुआ है। येशु मसीह एक पात्र हैं जो पवित्र आत्मा में परिपूर्ण है। लूका ४रू१ – येशु पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर यरदन से लौटा और आत्मा उसे जंगल में इधर–उधर ले जाता रहा। प्रेरित पतरस भी पवित्र आत्मा से भरपूर था। प्रेरितों के काम ४रू८ – तब पतरस ने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर उनसे कहा, "प्रजा के अधिकारियो और प्राचीनो।" स्तिफानुस भी परमेश्वर की आत्मा से भरा हुआ था, हम देखते हैं प्रेरितों के काम ६:५ में – यह बात समस्त मण्डली को उचित जान पड़ी; और उन्होंने स्तिफानुस नामक एक पुरूष को जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था, और फिलिप्पुस, प्रखरूस, नीकानोर, तिमोन, परमिनास और अन्ताकिया के निकुलाऊस को जो यहूदी मत में आ गया था, चुन लिया। परमेश्वर हमारी सारी दुर्बलताओं को जानता है, हमारे दुख–दर्द और बेचैनियों को जानता है। यशायाह १२रू३ – अतः तुम आनन्दपूर्वक उद्धार के सोतों से जल भरोगे। इस प्रकार, उसने हमसे वादा किया है कि आनंद से हमे उद्धार के कूँवों से पानी निकालना हैं – येशु मसीह द्वारा ही। याद रखें, परमेश्वर ने हमसे तब प्यार किया जब हम पाप में थे। उसने हमारे पापों को माफ़ करना चुना और उसके अनमोल और कीमती लहु से धोकर हमे उद्धार देना चाहा। उसके परिवार में जोड़कर और उसने हमे उसके बच्चे बनाए। संसार हमे एक दिन ठुकराएगा, इसलिए हमारा विश्वास संसार पर ड़ालने में हम पर शाप आएगा। जैसे ऐश्वर्यमान अब्राहाम ने हाजिरा पर किया।

लेकिन हमारे परमेश्वर ने उससे प्यार किया और उसका और उसके बेटे का ध्यान रखा। रिबका के जैसे, हमे दूसरों के लिए आशीष कि धारा बनना चाहिए। हम दूसरों के प्यास को बुझाने की क्षमता रखनी चाहिए "जीवित वचन" को बाँटने के द्वारा उन लोगों के साथ जो हमारे जैसे भाग्यशाली और आशिषित नहीं है। हम प्रभु के आशिषित लोग हैं, जिन्हें शुद्ध मन्ना हर हफ़्ता मिलता है। परमेश्वर ने रिबका से इस स्वभाव के कारण प्यार किया और अब्राहाम की बहु के रूप में आशिषित किया। केवल परमेश्वर ही हमारे लिए आशीष का कूँवा है जैसे कि हमने इसहाक के जीवन में देखा कितने बार शत्रुओं ने उसके जीवन में रूकावटं लाने कि कोशिष की। लेकिन हमारे जीवनों में कोई भी जल के सोतों को नहीं रोक सकता है, अगर परमेश्वर ने हमे चुना है, वह हमे विजय भी देगा उन सारी बातों में जो हम उसमें विश्वास रखकर कहते हैं। जैसे कि उसने इसहाक को विजय दिया, उसी प्रकार से वह हमे भी विजय देगा। हमे याद रखना चाहिए कि परमेश्वर पहड़ियों से पानी भेजता है, जो इस पृथ्वी में है और उनमें से झरने उतपन्न होते हैं और तालाब बनते हैं। इस प्रकार केवल परमेश्वर ही "जीवित जल" का सोता हमारे जीवनों में हैं। इस लिए हम आज उसपर नज़र उठाकर देखे और उस पर्वत की ओर जहाँ से हमारा सहारा आता है। दुष्ट हमारे मार्ग में रूकावट लाता है और हमारे जीवनों में बंधन लाता है। लेकिन हमारा विश्वास और भरोसा परमेश्वर पर रहना चाहिए केवल वही हमारे लिए "आशीष की नदियाँ" है।

पास्टर सरोजा म.